This Booklet contains 16 printed pages.
इस पुस्तिका में 16 मुद्रित पृष्ठ हैं।

AK14I

Test Booklet No.
परीक्षा पुस्तिका संख्या

PAPER—I / प्रश्न-पत्र—I

SANSKRIT LANGUAGE SUPPLEMENT / संस्कृत भाषा परिशिष्ट

PART—IV & V / भाग—IV & V

Test Booklet Code
परीक्षा पुस्तिका संकेत

K

Do not open this Test Booklet until you are asked to do so.
इस परीक्षा पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए।

Read carefully the Instructions on the Back Cover (Pages 15 & 16) of this Test Booklet.
इस परीक्षा पुस्तिका के पिछले आवरण (पृष्ठ 15 व 16) पर दिए गए निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।

For Instructions in Sanskrit see Page 2 of this Booklet.
संस्कृत में निर्देशों के लिए इस पुस्तिका का पृष्ठ 2 देखें।

Instructions for Candidates :

1. This booklet is a supplement to the Main Test Booklet for those candidates who wish to answer **EITHER** Part—IV (Language—I) **OR** Part—V (Language—II) in **SANSKRIT** language, but **NOT BOTH**.
2. Candidates are required to answer Parts—I, II, III from the Main Test Booklet and Parts—IV and V from the languages chosen by them.
3. Questions on English and Hindi languages for Part—IV and Part—V have been given in the Main Test Booklet. Language Supplements can be asked for separately.
4. Use **Blue/Black Ballpoint Pen only** for writing particulars on this page/marking responses in the Answer Sheet.
5. The CODE for this Language Booklet is **K**. Make sure that the CODE printed on **Side-2** of the Answer Sheet and on your Main Test Booklet is the same as that on this Language Supplement Booklet. In case of discrepancy, the candidate should immediately report the matter to the Invigilator for replacement of the Language Supplement Test Booklet.
6. This Test Booklet has **Two** Parts—IV and V, consisting of **60** Objective-type Questions and each carrying 1 mark :

   Part-IV : Language-I (Sanskrit) (Q. Nos. 91-120)
   Part-V : Language-II (Sanskrit) (Q. Nos. 121-150)
7. Part-IV contains 30 questions for Language-I and Part-V contains 30 questions for Language-II. In this Test Booklet, only questions pertaining to Sanskrit Language have been given. **In case the language(s) you have opted for as Language-I and/or Language-II is a language other than Sanskrit, please ask for a Test Booklet that contains questions on that Language. The languages being answered must tally with the languages opted for in your Application Form.**
8. **Candidates are required to attempt questions in Part-V (Language-II) in a language other than the one chosen as Language-I (in Part-IV) from the list of languages.**
9. Rough work should be done only in the space provided in the Test Booklet for the same.
10. The answers are to be recorded on the OMR Answer Sheet only. Mark your responses carefully. No whitener is allowed for changing answers.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

1. यह पुस्तिका मुख्य परीक्षा पुस्तिका की एक परिशिष्ट है, उन परीक्षार्थियों के लिए जो **या** तो भाग—IV (भाषा—I) **या** भाग—V (भाषा—II) **संस्कृत** भाषा में देना चाहते हैं, लेकिन **दोनों नहीं**।
2. परीक्षार्थी भाग—I, II, III के उत्तर मुख्य परीक्षा पुस्तिका से दें और भाग—IV व V के उत्तर उनके द्वारा चुनी भाषाओं से।
3. अंग्रेज़ी व हिन्दी भाषा पर प्रश्न मुख्य परीक्षा पुस्तिका में भाग—IV व भाग—V के अन्तर्गत दिए गए हैं। भाषा परिशिष्ट को आप अलग से माँग सकते हैं।
4. इस पृष्ठ पर विवरण अंकित करने एवं उत्तर-पत्र पर निशान लगाने के लिए **केवल नीले/काले बॉलपॉइंट पेन** का प्रयोग करें।
5. इस भाषा पुस्तिका का संकेत **K** है। यह सुनिश्चित कर लें कि इस भाषा परिशिष्ट पुस्तिका का संकेत, उत्तर-पत्र के **पृष्ठ-2** एवं मुख्य परीक्षा पुस्तिका पर छपे संकेत से मिलता है। अगर यह भिन्न हो, तो परीक्षार्थी दूसरी भाषा परिशिष्ट परीक्षा पुस्तिका लेने के लिए निरीक्षक को तुरन्त अवगत कराएँ।
6. इस परीक्षा पुस्तिका में **दो** भाग—IV और V हैं, जिनमें **60** वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं तथा प्रत्येक 1 अंक का है :

   भाग–IV : भाषा–I (संस्कृत) (प्रश्न सं० 91-120)
   भाग–V : भाषा–II (संस्कृत) (प्रश्न सं० 121-150)
7. भाग–IV में भाषा–I के लिए 30 प्रश्न और भाग–V में भाषा–II के लिए 30 प्रश्न दिए गए हैं। इस परीक्षा पुस्तिका में केवल संस्कृत भाषा से सम्बन्धित प्रश्न दिए गए हैं। **यदि भाषा–I और/या भाषा–II में आपके द्वारा चुनी गई भाषा(एँ) संस्कृत के अलावा है/हैं, तो कृपया उस भाषा वाली परीक्षा पुस्तिका माँग लें। जिन भाषाओं के प्रश्नों के उत्तर आप दे रहे हैं वह आवेदन पत्र में चुनी गई भाषाओं से अवश्य मेल खानी चाहिए।**
8. **परीक्षार्थी भाग–V (भाषा–II) के लिए, भाषा सूची से ऐसी भाषा चुनें जो उनके द्वारा भाषा–I (भाग–IV) में चुनी गई भाषा से भिन्न हो।**
9. रफ़ कार्य परीक्षा पुस्तिका में इस प्रयोजन के लिए दी गई खाली जगह पर ही करें।
10. सभी उत्तर केवल OMR उत्तर-पत्र पर ही अंकित करें। अपने उत्तर ध्यानपूर्वक अंकित करें। उत्तर बदलने हेतु श्वेत रंजक का प्रयोग निषिद्ध है।

Name of the Candidate (in Capitals) : ____________________
परीक्षार्थी का नाम (बड़े अक्षरों में)

Roll Number (in figures) : ____________________
अनुक्रमांक (अंकों में)

(in words) : ____________________
(शब्दों में)

Centre of Examination (in Capitals) : ____________________
परीक्षा-केन्द्र (बड़े अक्षरों में)

Candidate's Signature : ____________________
परीक्षार्थी के हस्ताक्षर

Invigilator's Signature : ____________________
निरीक्षक के हस्ताक्षर

Facsimile signature stamp of Centre Superintendent ____________________

अस्यां पुस्तिकायां **16** पृष्ठानि सन्ति।

AK14I

परीक्षा-पुस्तिका-संकेतकम्

K

प्रश्नपत्रम्—I

संस्कृत-भाषा-परिशिष्टम्

भागः — IV एवं V

यावन्न न कथ्यते तावत् इयं परीक्षा-पुस्तिका न अनावरणीया।

अस्याः परीक्षा-पुस्तिकायाः पृष्ठावरणयोः (पृष्ठे 15 एवं 16) प्रदत्ताः निर्देशाः ध्यानपूर्वकं पठनीयाः।

परीक्षार्थिभ्यो निर्देशाः —

1. इयं पुस्तिका मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकायाः एकं परिशिष्टं तेभ्यः परीक्षार्थिभ्यः अस्ति ये IV (भाषा I) भागस्य **अथवा** V (भाषा II) भागस्य परीक्षां **संस्कृतभाषया** दातुमिच्छन्ति, **न तु द्वयोः भागयोः।**
2. परीक्षार्थिभिः भाग I, II, III भागानाम् उत्तराणि मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकातः देयानि अपि च IV तथा V भागानाम् उत्तराणि तैः चिताभिः भाषाभिः।
3. आंग्लभाषायां हिन्दीभाषायां च प्रश्नाः मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकायां IV भागे तथा V भागे च प्रदत्ताः। भाषा-परिशिष्टानि भवद्भिः पृथक्तया याचितुं शक्यन्ते।
4. अस्मिन्पृष्ठे च विवरणम् अङ्कयितुम् उत्तर-पत्रे च चिह्नम् अङ्कयितुं **केवलं नील/कृष्णवर्णिकायाः बाल-पाइन्ट-लेखन्याः** प्रयोगः अनुमतः।
5. अस्याः भाषा पुस्तिकायाः संकेतकं **K** वर्तते। एतच्च निश्चेतव्यं यदस्याः भाषा-परिशिष्ट-पुस्तिकायाः संकेतकम् उत्तर-पत्रस्य **पृष्ठ-2** उपरि प्रकाशितेन संकेतेन साम्यं भजति। एतदपि निश्चेतव्यं यत् मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकासंख्या उत्तर-पत्रसंख्या च परस्परं साम्यं भजेते। यदि चात्र किमपि अन्तरमस्ति तदा छात्रेण निरीक्षकमहाभागः सम्प्रार्थनीयः यत्स द्वितीयां भाषा-परिशिष्ट-परीक्षा-पुस्तिकां ददातु।
6. अस्यां परीक्षा-पुस्तिकायां द्वौ भागौ स्तः — IV तथा V, एतेषु 60 वस्तुनिष्ठाः प्रश्नाः सन्ति, प्रत्येकं च एकमङ्कं धारयति—

   भागः IV : भाषा I (संस्कृत) (प्रश्न संख्या 91 तः 120 पर्यन्तम्)

   भागः V : भाषा II (संस्कृत) (प्रश्न संख्या 121 तः 150 पर्यन्तम्)
7. IV भाषा I भागे 30 प्रश्नाः, V भाषा II भागे च 30 प्रश्नाः सन्ति। अस्यां च परीक्षा-पुस्तिकायां केवलं संस्कृतभाषया सम्बद्धाः प्रश्नाः सन्ति। **यदि भाषा I उत वा भाषा II इत्येतयोः भवता संस्कृत-अतिरिक्ते भाषे चिते, तदा तद्भाषासम्बद्धा परीक्षा-पुस्तिका याचनीया। यस्याः अपि भाषायाः प्रश्नानाम् उत्तराणि भवता प्रदीयन्ते, सा भाषा नूनम् आवेदनपत्रे अभीष्टभाषाभिः सह संवदेत्।**
8. **परीक्षार्थिभिः भागः V (भाषा II) कृते, भाषातालिकातः सा भाषा चयनीया या तैः भाषा I (भागे IV) चितायाः अभीष्टभाषातः भिन्ना स्यात्।**
9. रफ कार्यं परीक्षा-पुस्तिकायाम् एतत्प्रयोजनार्थं निर्धारितस्थाने एव कार्यम्।
10. सर्वाणि उत्तराणि OMR उत्तर-पुस्तिकायामेव अङ्कनीयानि। सावधानमनसा चैतद् अङ्कनीयम्। उत्तरे परिवर्तनार्थं श्वेत-रञ्जकस्य प्रयोगो निषिद्धः।

परीक्षार्थिनः नाम : ____________________

अनुक्रमाङ्कः (अङ्केषु) : ____________________

(शब्देषु) : ____________________

परीक्षाकेन्द्रम् : ____________________

परीक्षार्थिनः हस्ताक्षरम् : ____________________ निरीक्षकस्य हस्ताक्षरम् : ____________________

Facsimile signature stamp of Centre Superintendent ____________________

परीक्षार्थिनः निम्नलिखित-भागस्य प्रश्नानाम् उत्तराणि तदैव दद्युः यदि तैः भाषा—I विकल्पे संस्कृतं चितं स्यात्।

भागः —IV : भाषा—I
संस्कृतम्

निर्देशः (प्र० सं० **91–96**) : निम्नलिखितपद्याधारितानां प्रश्नानां समुचितानि उत्तराणि चिनुत—

पीत्वा रसं तु कटुकं मधुरं समानं,
माधुर्यमेव जनयेन्मधुमक्षिकासौ।
सन्तस्तथैव समसज्जनदुर्जनानां,
श्रुत्वा वचः मधुरसूक्तरसं सृजन्ति॥
लुब्धस्य नश्यति यशः पिशुनस्य मैत्री,
नष्टक्रियस्य कुलमर्थपरस्य धर्मः।
विद्याफलं व्यसनिनः कृपणस्य सौख्यं,
राज्यं प्रमत्तसचिवस्य नराधिपस्य॥

91. मधुमक्षिका जनयति
(1) माधुर्यम्
(2) समानं रसम्
(3) रसम्
(4) कटुकम्

92. कस्य 'धर्मः' नश्यति?
(1) कृपणस्य
(2) अर्थपरस्य
(3) नष्टक्रियस्य
(4) लुब्धस्य

93. व्यसनेषु रतानां किं नश्यति?
(1) ज्ञानम्
(2) यशः
(3) सौख्यम्
(4) मैत्री

94. 'जनयेत्' क्रियापदस्य कर्तृपदम् अस्ति
(1) सज्जनः
(2) सन्तः
(3) मक्षिका
(4) दुर्जनः

95. 'नष्टक्रियस्य' पदस्य समासनाम किम्?
(1) तत्पुरुषः
(2) द्वन्द्वः
(3) बहुव्रीहिः
(4) कर्मधारयः

96. श्लोके 'राज्यम्' इति पदस्य विभक्तिः अस्ति
(1) प्रथमा
(2) सप्तमी
(3) षष्ठी
(4) द्वितीया

निर्देशः (प्र० सं० **97–111**) : प्रदत्तविकल्पेभ्यः समुचितम् उत्तरं चिनुत—

97. संक्षिप्तगद्यांशम् अधिकृतेषु वाक्येषु रिक्तस्थानपूर्ति-सम्बद्ध-प्रश्नस्य मूलोद्देशः अस्ति
(1) नूतन-शब्द-प्रयोग-क्षमतायाः आकलनम्
(2) सारांश-लेखन-क्षमतायाः आकलनम्
(3) 'वर्तनी' इति योग्यतायाः आकलनम्
(4) अवबोधनक्षमतायाः आकलनम्

98. पठित-अवबोधनात्मकः प्रश्नः कः?
(1) 'नोबेल' इति पुरस्कारप्राप्तकर्तुः भारतीयकवेः नाम वदत
(2) किं भवता शूद्रकद्वारा रचितं किमपि अन्यत् नाटकं पठितम्
(3) 'स्वीकरोतु' इति पदस्य स्वभाषया वाक्ये प्रयोगं कुरुत
(4) 'उज्ज्वल' इति शब्दस्य वर्णविन्यासं समीचीनं कुरुत

99. "बालाः सार्थक-लेखने निपुणाः भवेयुः" इति अस्मात् पूर्वम् आवश्यकम् अस्ति चित्रकला-आकृतिनिर्माण-आदिभिः गतिविधिभिः तेषां ——— विकासः सम्यक् भवेत्।

(1) भावात्मकः

(2) सुरक्षात्मकः

(3) संज्ञानात्मकः

(4) गत्यात्मकः

100. मित्रभावनया सम्बद्धे पत्रलेखनविषये किं किम् आवश्यकम्?

(1) अन्येभ्यः अपि स्पष्टता, सङ्केतानाम् उपयोगः, प्रारूपस्पष्टता

(2) वैयक्तिकम्, प्रारूपं विना

(3) किञ्चित् प्रारूपम्, वैयक्तिकं संस्पर्शनम्, सङ्केतानाम् उपयोगः

(4) अवैयक्तिकसन्दर्भाः, कठोरतया प्रारूपानुपालनम्

101. भाषाधिगमनप्रक्रियायां प्रायः छात्राः सम्भाषणसन्दर्भे विश्वस्ताः न दृश्यन्ते। कारणम् अस्ति—अधिगत-भाषायाः उच्चारणसम्बद्धाः विशिष्टाः नियमाः। अस्याः समस्यायाः समाधानार्थं किम् आवश्यकम्?

(1) कक्ष्यायाम् अन्तःक्रियार्थं गतिविधीनां प्रयोगः

(2) परामर्शकस्य साहाय्येन विशिष्ट-भाषिक-चिकित्सा

(3) त्रुटीनां तदैव संशोधनम्

(4) कक्ष्यायाम् उच्चैः सस्वरवाचनम्

102. श्लोकानां/वाक्यानाम् 'अन्वयः' इत्यनेन अभिप्रायः अस्ति

(1) वाक्यपरिचयः

(2) भावानुगुणं वाक्येषु पदक्रमः

(3) प्रतिपदव्याख्यानम्

(4) वाक्यप्रयोगः

103. कस्मिन् वयसि बालाः प्रायः भाषाधिगमने अधिकाः सक्षमाः?

(1) अष्टवर्षेभ्यः पूर्वम्

(2) अष्टवर्षेभ्यः पश्चात्

(3) दशवर्षेभ्यः पूर्वम्

(4) त्रयोदशवर्षेभ्यः पश्चात्

104. 'छात्राः सूक्ष्मतया अधिगन्तुं समर्थाः भवेयुः' इत्यर्थं सूक्ष्मसूचनानां प्रदानम् अनिवार्यम्। परन्तु व्ययः अपि अधिकः न भवेत्। अतः किं साधनं सर्वाधिकम् उपयुक्तम्?

(1) विद्युत्-उपकरणानि

(2) प्रदर्शनम्

(3) प्रक्षेपकयन्त्रं पारदर्शिन्यः च

(4) कर्गदपत्राणि

105. कस्याञ्चित्-बहुविध-भाषा-कक्ष्यायाम्

(1) एतादृशी कक्ष्या लाभप्रदा भविष्यति यदि छात्राणां समानभाषा-भाषण-दृष्ट्या समूहीकरणं क्रियते

(2) लक्ष्यभाषया सम्भाषणात्मकं लक्ष्यं प्राप्तुम् अन्यभाषाप्रयोगः पूर्णतया निषिद्धः भवेत्

(3) छात्राः प्रायः परस्परं वार्तालापं कर्तुम् असमर्थाः, अतः एतादृशी कक्ष्या फलदायिनी न

(4) प्रायः छात्राः समृद्ध-भाषा-परिवेश-कारणात् बहुविध-उच्चारणप्रक्रियया परिचिताः भवन्ति एवञ्च बहुविध-व्याकरणिक-संरचनया अपि परिचिताः भवन्ति। अतः एतादृशी कक्ष्या अत्यधिका लाभप्रदा

106. संस्कृतस्य पठन-पाठन-सन्दर्भे किं सर्वाधिकम् आवश्यकतत्त्वम्?

(1) सम्पूर्णपाठस्य शब्दार्थानां स्मरणम्

(2) पाठाधारितस्य अभ्यासकार्यस्य कृते सङ्केत-प्रदानम्

(3) अध्यापकेन/अध्यापिकया सम्पूर्णपाठस्य विस्तृत-व्याख्या

(4) शिक्षणीयं बिन्दुम् अधिकृत्य नूतनानाम् अभ्यासानां द्वारा अधिकाधिकम् अभ्यासकार्यम्

107. मिश्रित-छात्रयोग्यतया सम्पन्न-भाषाकक्ष्यायै किं महत्त्वपूर्णम्?

(1) गृहकार्यस्य पूर्त्यर्थम् अभिभावकैः सह मेलनम्

(2) विभिन्न-प्रायोजनात्मक-कार्याणाम् आयोजनं यत्र छात्राः परस्परं विमर्श्य कार्यं करिष्यन्ति सामाजिककौशलानि च पठिष्यन्ति

(3) अधिकाङ्कान् प्राप्तुं विशिष्ट-कक्ष्यायाः आयोजनम्

(4) छात्राणां समस्यायाः समाधानं प्राप्तुं मनोचिकित्सकैः सह मेलनम्

108. प्रायः पाठ्यपुस्तकेषु प्रदत्ताः प्रश्नाः स्तरानुगुणं न दृश्यन्ते अथवा एते प्रश्नाः तथ्याधारिताः भवन्ति। किं करणीयम्?

(1) पाठ्यपुस्तकानां यदा-कदा प्रयोगः

(2) अतिरिक्त-साहित्यस्य वाचनम्

(3) कक्ष्यासु सृजनात्मक-चिन्तनप्रधान-गतिविधीनाम् आयोजनम्

(4) प्रदत्तप्रश्नान् अधिकृत्य एव पाठयोजनम्

109. प्रायः छात्राः संस्कृतपाठान् पठितुं भावं च स्पष्टीकर्तुम् असमर्थाः भवन्ति। समाधानं किम्?

(1) उच्चैः पठनम्

(2) समुचितम् उच्चारणं श्रुत्वा पुनः पुनः उच्चारण-अभ्यासः अध्यापकानां च साहाय्येन भावकथनस्य अभ्यासः

(3) केवलं सरलशब्दानां प्रयोगः

(4) अध्यापकद्वारा उच्चरितशब्दानाम् अनुकरणम्

110. कस्याश्चित् भाषा-कक्ष्यायां विशिष्टयोग्यता-सम्पन्नछात्रेषु आत्मभावं साफल्यभावम् आत्मगौरवं च सम्पादयितुम् आवश्यकम् अस्ति

(1) योग्य-अध्यापकानां नियुक्तिः

(2) विशिष्टछात्राणां समूहीकरणम्। ते परस्परमेव वार्तालापं कुर्युः, अन्यैः सह न

(3) विभिन्नविषयैः सम्बद्धपुस्तकानां वितरणम्

(4) परस्परं सहयोगभावेन पठन-पाठन-परिचर्यायै अवसराणां निर्माणम्

111. छात्रकेन्द्रित-कक्ष्यायाः लक्षणम् अस्ति

(1) अध्यापकाः/अध्यापिकाः भाषा-सम्बद्धगति-विधीनाम् आयोजनार्थं साहाय्यं कुर्वन्ति छात्राः च भागं ग्रहीतुं सर्वदा उद्यताः भवन्ति

(2) अध्यापकाः/अध्यापिकाः आदर्शरूपेण स्वीक्रियन्ते

(3) अध्यापकाः/अध्यापिकाः पठन-पाठन-सम्बद्धानि सम्पूर्णानि कार्याणि स्वयमेव कुर्वन्ति

(4) छात्राः सर्वं स्वयमेव पठन्ति नियमितरूपेण च परीक्षां लिखन्ति

निर्देशः (प्र० सं० **112–120**) : अनुच्छेदाधारितानां प्रश्नानां समुचितम् उत्तरं चिनुत—

उत्सवे व्यसने दुर्भिक्षे राष्ट्रविप्लवे शत्रुसङ्कटे च य सहायतां करोति सः बन्धुः भवति। यदि विश्वे सर्वत्र एतादृशः भावः भवेत् तदा विश्वबन्धुत्वं सम्भवति।

परन्तु अधुना निखिले संसारे कलहस्य अशान्तेः च वातावरणम् अस्ति। येन मानवाः परस्परं न विश्वसन्ति। ते परस्य कष्टं स्वकीयं कष्टं न गणयन्ति। अपि च समर्थाः देशाः असमर्थान् देशान् प्रति उपेक्षाभावं प्रदर्शयन्ति, तेषाम् उपरि स्वकीयं प्रभुत्वं च स्थापयन्ति। तस्मात् कारणात् संसारे सर्वत्र विद्वेषस्य शत्रुतायाः हिंसायाः च भावना दृश्यते। देशानां विकासः अपि अवरुद्धः भवति।

एतेषां सर्वेषां कारणं विश्वबन्धुत्वस्य अभाव एव। इयं महती आवश्यकता वर्तते यत् एकः देशः अपरेण देशेन सह निर्मलेन हृदयेन बन्धुतायाः व्यवहारं कुर्यात्। यदि इयं भावना विश्वस्य जनेषु बलवती स्यात् तदा विकसिताविकसितदेशयोः मध्ये स्वस्था स्पर्धा भविष्यति। येन सर्वे देशाः ज्ञानविज्ञानयोः क्षेत्रे मैत्रीभावनया सहयोगेन च समृद्धिं प्राप्तुं समर्थाः भविष्यन्ति।

112. असमर्थदेशानाम् उपरि स्वकीयं प्रभुत्वं के स्थापयन्ति?

(1) मानवाः

(2) शत्रवः

(3) समर्थदेशाः

(4) सर्वे देशाः

113. विश्वबन्धुत्वस्य कदा आवश्यकता अनुभूयते?

(1) शत्रुसङ्कटे

(2) सर्वदा

(3) दुर्भिक्षे

(4) उत्सवेषु

114. संसारे आवश्यकता अस्ति ——— भावनायाः।

(1) प्रेम्णः

(2) ज्ञानस्य

(3) स्पर्धायाः

(4) विज्ञानस्य

115. कलहस्य अशान्तेः च वातावरणं कुत्र दृश्यते?

(1) अविकसितराष्ट्रेषु

(2) सम्पूर्णसंसारे

(3) असमर्थदेशेषु

(4) उपेक्षितराष्ट्रेषु

116. सर्वत्र हिंसायाः भावना दृश्यते। अस्याः कारणम् अस्ति

(1) परस्परं सहयोगः

(2) ज्ञानविज्ञानक्षेत्रे उन्नतिः

(3) स्वस्था स्पर्धा

(4) विश्वबन्धुत्वभावनायाः अभावः

117. 'प्रदर्शयन्ति' इति क्रियापदस्य कर्तृपदं किम्?

(1) सर्वे देशाः

(2) समर्थाः देशाः

(3) असमर्थाः देशाः

(4) मानवाः

118. 'स्पर्धा' इति विशेष्यपदस्य विशेषणपदं किम्?

(1) मध्ये

(2) समृद्धिः

(3) स्वस्था

(4) बलवती

119. "ते परस्य कष्टं स्वकीयं कष्टं न गणयन्ति" इति वाक्ये 'ते' सर्वनामपदं प्रयुक्तम्

(1) समर्थदेशेभ्यः

(2) मानवेभ्यः

(3) सर्वेभ्यः देशेभ्यः

(4) असमर्थदेशेभ्यः

120. 'ज्ञानविज्ञानयोः' समस्तपदे कः समासः?

(1) द्विगुः

(2) बहुव्रीहिः

(3) अव्ययीभावः

(4) द्वन्द्वः

परीक्षार्थिनः निम्नलिखित-भागस्य प्रश्नानाम् उत्तराणि तदैव दद्युः यदि तैः भाषा—II विकल्पे संस्कृतं चितं स्यात्।

भागः—V : भाषा—II
संस्कृतम्

निर्देशः (प्र० सं० **121-126**) : निम्नलिखितानुच्छेदाधारितानां प्रश्नानां समुचितम् उत्तरं चिनुत—

शतशः सहस्रशः तडागाः सहसैव शून्यात् न प्रकटीभूताः। इमे एव तडागाः अत्र संसारसागराः इति। एतेषाम् आयोजनस्य नेपथ्ये निर्मापयितॄणाम् एककम्, निर्मातॄणां च दशकम् आसीत्। एतत् एककं दशकं च आहत्य शतकं सहस्रं वा रचयतः स्म। परं विगतेषु द्विशतवर्षेषु नूतनपद्धत्या समाजेन यत्किञ्चित् पठितम्, पठितेन तेन समाजेन एककं दशकं सहस्रकञ्च इत्येतानि शून्ये एव परिवर्तितानि। अस्य नूतनसमाजस्य मनसि इयमपि जिज्ञासा नैव उद्भूता यद् अस्मात्पूर्वम् एतावतः तडागान् के रचयन्ति स्म। एतादृशानि कार्याणि कर्तुं ज्ञानस्य यो नूतनः प्रविधिः विकसितः, तेन प्रविधिनाऽपि पूर्वं सम्पादितम् एतत्कार्यं मापयितुं न केनापि प्रयतितम्।

अद्य ते अज्ञातनामानः वर्तन्ते, पुरा ते बहुप्रथिताः आसन्। अशेषे हि देशे तडागाः निर्मीयन्ते स्म, निर्मातारोऽपि अशेषे देशे निवसन्ति स्म।

121. संसारसागराः के सन्ति?

(1) तडागाः

(2) समाजाः

(3) निर्मातारः

(4) सज्जनाः

122. तडागाः कुतः न प्रकटीभूताः?

(1) अस्मात्

(2) नूतनसमाजात्

(3) संसारसागरात्

(4) शून्यात्

123. पूर्वं तडागाः कुत्र निर्मीयन्ते स्म?

(1) सम्पूर्णदेशे

(2) नूतनसमाजस्य मनसि

(3) विशिष्टसमाजे

(4) सागरे

124. 'निवसन्ति स्म' क्रियायाः कर्तृपदं किम्?

(1) जनाः

(2) तडागाः

(3) संसारसागराः

(4) निर्मातारः

125. 'सम्पूर्णे' इति अर्थे अत्र किं पदं प्रयुक्तम्?

(1) ते

(2) सहस्रशः

(3) अशेषे

(4) इमे

126. अत्र विशेषणपदं किम्?

(1) पठितेन

(2) प्रविधिना

(3) समाजेन

(4) तडागेन

निर्देश: (प्र० सं० **127–141**) : सर्वाधिकानि समीचीनानि उत्तराणि चिनुत—

127. भवन्तः निम्नलिखितयोः उत्तरयोः अङ्कनं कथं करिष्यन्ति?

प्रश्नः —भवान् इदं पुस्तकं कदा अपठत्?

उत्तरम्—(१) अहम् इदं पुस्तकं ह्यः अपठम्। (1)

(२) मया इदं पुस्तकं ह्यः पठितम्। (1)

(1) उभयोः कृते ½-½ अङ्कः

(2) उभयोः कृते 1-1 अङ्कः

(3) प्रथम-उत्तराय 1 अङ्कः; द्वितीयाय उत्तराय शून्यम्

(4) प्रथम-उत्तराय शून्यम्; द्वितीयाय उत्तराय 1 अङ्कः

128. ''छात्राः पाठ्य-वस्तु-सार्थक्यं ज्ञातुं समर्थाः भवेयुः'' इत्यर्थं समीचीन-वाचन-युक्तिः भविष्यति

(1) अनुमानम्

(2) सारकथनम्

(3) शब्दशः व्याख्यानम्

(4) विहगावलोकनम् (Skimming)

129. छात्राः 'मधुरा प्रभातवेला' विषयं स्वीकृत्य एक-लघुनाटिकां रचयन्ति। नाट्यार्थं चत्वारि पात्राणि सन्ति। दश च वाक्यानि। प्रत्येकं पात्रेण भाषासंरचनात्मक-दृष्ट्या एकं भिन्न-रूपेण रचितं वाक्यं पठितव्यम्। अनेन गतिविधिना लाभः भविष्यति

(1) पर-वाचनाभ्यासर्थम्

(2) पूर्व-लेखनाभ्यासार्थम्

(3) व्याकरणप्रयोगार्थम्

(4) शब्दप्रयोगार्थम्

130. तृतीय-कक्ष्या-छात्राणां सृजनात्मकविकासाय किं महत्त्वपूर्णम्?

(1) चित्राणाम् उपयोगः वार्तालापः च

(2) छात्राः स्वेच्छया किमपि लिखेयुः

(3) पाठ्यविषय-सम्बद्ध-परिचर्चा

(4) फलके पाठ्यविषयस्य रूपरेखा

131. भवतः/भवत्याः कक्ष्यायां केचन छात्राः संस्कृतद्वारा सम्भाषणं कर्तुं सङ्कोचम् अनुभवन्ति। भवान्/भवती कथं साहाय्यं करिष्यति?

(1) 'सामान्यविषयान् स्वीकृत्य ते किञ्चित् वदेयुः' इति आदेशेन

(2) 'ते अन्ते वदेयुः' इति निर्देशेन

(3) वैयक्तिक-अनुशिक्षणद्वारा

(4) 'लघुसमूहेषु चर्चां कुर्युः ते' इत्यर्थं प्रोत्साहनम्

132. श्रवणकौशलस्य अभ्यासार्थं छात्राः रेलयानस्य समय-सम्बद्ध-उद्घोषणां श्रुत्वा समयसारिणीं लिखन्ति। अत्र छात्राः किं कुर्वन्ति?

(1) श्रुतलेखद्वारा समयसारिणीं पूरयन्ति

(2) उच्चैः उद्घोषणां पठन्ति

(3) समयसारिण्यां लिखित-तथ्यानां व्याख्यानं कुर्वन्ति

(4) रेलयानसमय-सम्बद्ध-चित्रं पश्यन्ति

133. युवावस्थायां भाषाधिगमन-सन्दर्भे अनुभूयते

(1) सामान्य-अर्जनम्

(2) भाषा-अर्जने काठिन्यम्

(3) नैपुण्यस्य अभावः

(4) नैपुण्यस्य आधिक्यम्

134. 'ई-लर्निंग' (E-learning) इत्यनेन अभिप्रायः अस्ति

(1) दूरस्थशिक्षणम्

(2) लघुचित्रनिर्माणम्

(3) 'तकनीकी' (Technology) इति प्रयोग-द्वारा पठनम् पाठनम् च

(4) कठोर-उपागमानां प्रयोगद्वारा पठनम्

135. 'द्वि-भाषिकक्ष्यायां शैक्षणिक-सम्भाषणात्मक-भाषा-रूपप्रयोगार्थं छात्राः निपुणाः भवेयुः' इत्यर्थं किम् आवश्यकम्?

(1) लक्ष्यभाषया लिखितपुस्तकानाम् अधिकाधिकं पठनम्

(2) लक्ष्यभाषया अधिकाधिकं लेखनम्

(3) द्वि-भाषि-चलचित्रदर्शनम्

(4) लक्ष्यभाषया भाषणम्

136. भाषा-अधिगमन-सन्दर्भे केषाञ्चन छात्राणां गतिः स्तरानुगुणं न दृश्यते। तेषां कृते आवश्यकतानुसारं काचित् विशिष्ट-पाठन-व्यवस्थायाः आवश्यकता अनुभूयते। इदं किम् अस्ति?

(1) सारांशीकरणम्

(2) पुनः पुनः शिक्षणम्

(3) उपचारात्मकं शिक्षणम्

(4) पुनरभ्यसनम्

137. सम्मिश्रित-क्षमता-युक्त-भाषा-कक्ष्यार्थं किं सर्वाधिकम् आवश्यकम्?

(1) छात्राणां कालांशानुसारं समुचितं समूहीकरणम्

(2) छात्राणां मध्ये परस्परम् अन्तःक्रियार्थम् अवसराः

(3) सुगठिता गणित-भाषा-केन्द्रिता पाठ्यचर्या

(4) क्रीडा-भाषा-केन्द्रित-पाठ्यचर्या

138. संस्कृत-भाषा-पाठ्यपुस्तकानां सन्दर्भे किं सर्वाधिकम् असमीचीनं कथनम्?

(1) पाठ्यपुस्तकानि शिक्षणनिर्देशयुक्तानि भवेयुः

(2) सूचनानां तथ्यानां, वा विवरणं छात्रस्तरानुगुणं भवेत्

(3) पाठ्यपुस्तकानि छात्रानुभवानुकूलानि भवेयुः

(4) अध्यापकानां साहाय्यार्थं पाठ्यपुस्तकेषु एव विस्तृताः पाठयोजनाः

139. भाषा-शिक्षण-अधिगमन-सन्दर्भे त्रुटयः अपि भवन्ति एव। तदर्थम् अध्यापकेन/अध्यापिकया किं करणीयम्?

(1) त्रुटीनां शीघ्रमेव पुनः पुनः संशोधनम्

(2) त्रुटीन् सङ्गृह्य त्रुट्यनुगुणं त्रुटिं दूरीकर्तुं योजना प्रक्रिया च

(3) किमपि न। एषा स्वाभाविकी प्रक्रिया

(4) दुर्बलछात्राणां कृते विशिष्ट-कक्ष्या-आयोजनम्

140. प्रायः अन्यभाषायाः अध्यापकाः अध्यापिकाः वा अनुभवन्ति यत् छात्राः अन्यभाषां पठितुं न इच्छन्ति अथवा प्रेरिताः न सन्ति। अतः किं समाधानम्?

(1) शैक्षिक-परामर्शदातृ-साहाय्यं स्वीकरणीयम्

(2) अप्रेरितछात्राणां कृते पृथक्-कक्ष्या-आयोजनम्

(3) छात्राः प्रदत्तगृहकार्यं समापयितुं प्रेरयितव्याः

(4) कक्ष्यायां सर्वदा छात्रस्तरानुगुणं नूतनपाठन-पद्धतिम् अनुसृत्य छात्राः भिन्न-भिन्न-रूपेण प्रेरयितव्याः

141. अधिगत-भाषायाः अनुप्रयोगार्थं किं समुचितम्?

(1) पाठ्यवस्तु सम्यक् रूपेण अधिगन्तुं मातृभाषा-प्रयोगार्थम् अभिप्रेरणम्

(2) स्थूलरूपात् सूक्ष्मं प्रति गमनम्

(3) अध्यापकस्य अध्यापिकायाः वा पठन-भाषण-लेखन-शैल्याः अनुसरणम्

(4) भाषा-अभ्यासार्थं विभिन्न-गतिविधीनां समुपयोगार्थम् अभिप्रेरणम्

निर्देशः (प्र० सं० **142–150**) : निम्नलिखितानुच्छेदाधारितानां प्रश्नानां समुचितम् उत्तरं चिनुत—

अस्ति मगधदेशे फुल्लोत्पलनाम सरः। सङ्कट-विकटनामकौ हंसौ निवसतः। कम्बुग्रीवनामा तयोः मित्रम् एकः कूर्मः अपि तत्रैव प्रतिवसति स्म।

अथ एकदा धीवराः तत्र आगच्छन् अकथयन् च—वयं श्वः मत्स्य-कूर्मादीन् मारयिष्यामः। एतत् श्रुत्वा कूर्मः अवदत्—"मित्रे! किं युवाभ्यां धीवराणां वार्ता श्रुता? अधुना किम् अहं करोमि?" हंसौ अवदताम्—"प्रातः यद् उचितं तत्कर्त्तव्यम्।" कूर्मः अवदत्—"मैवम्। तद् यथाऽहम् अन्यं ह्रदं गच्छामि तथा कुरुतम्।" हंसौ अवदताम्—"आवां किं करवाव?" कूर्मः अवदत्—"अहं भवद्भ्यां सह आकाशमार्गेण अन्यत्र गन्तुम् इच्छामि।" हंसौ अवदताम्—"अत्र कः उपायः?" कच्छपः वदति—"युवां काष्ठदण्डम् एकं चञ्च्वा धारयताम्। अहं काष्ठदण्डमध्ये अवलम्ब्य युवाभ्यां पक्षबलेन सुखेन गमिष्यामि।" हंसौ अकथयताम्—"सम्भवति एषः उपायः। किन्तु अत्र एकः अपायोऽपि वर्तते। आवाभ्यां नीयमानं त्वामवलोक्य जनाः किञ्चिद् वदिष्यन्ति एव। यदि त्वमुत्तरं दास्यसि तदा तव मरणं निश्चितम्। अतः त्वम् अत्रैव वस।" तत् श्रुत्वा क्रुद्धः कूर्मः अवदत्—"किमहं मूर्खः? उत्तरं न दास्यामि। किञ्चिदपि न वदिष्यामि।" अतः अहं यथा उक्तवान् तथा युवां कुरुतम्।

142. द्वयोः हंसयोः मित्रस्य नाम आसीत्

(1) विकटः

(2) फुल्लोत्पलः

(3) सङ्कटः

(4) कम्बुग्रीवः

143. हंसयोः दृष्ट्वा कूर्मेण कथिते 'उपाये' विद्यमानः आसीत्

(1) सुखमार्गः

(2) अपायः

(3) सरलः मार्गः

(4) कठिनमार्गः

144. कूर्मः ——— सह अन्यत्र गन्तुम् इच्छति स्म।

(1) हंसाभ्याम्

(2) एकेन हंसेन

(3) धीवरैः

(4) मत्स्यैः

145. 'कं' दृष्ट्वा जनाः किञ्चिद् वदिष्यन्ति इति हंसाभ्यां चिन्तितम् आसीत्?

(1) सङ्कटम्

(2) कूर्मम्

(3) हंसम्

(4) धीवरम्

146. धीवराः कान् मारयितुम् इच्छन्ति स्म?

(1) मत्स्य-कूर्मादीन्

(2) कूर्मम्

(3) मत्स्यान्

(4) सङ्कटम्

147. कः क्रुद्धः अभवत्?

(1) विकटः

(2) सङ्कटः

(3) कम्बुग्रीवः

(4) धीवरः

148. 'यदि त्वमुत्तरं दास्यसि' वाक्ये 'त्वम्' सर्वनामपदं कस्मै प्रयुक्तम्?

(1) सङ्कटाय

(2) धीवराय

(3) मत्स्याय

(4) कम्बुग्रीवाय

149. अनुच्छेदे 'वदिष्यन्ति' इति क्रियापदस्य कर्तृपदम् अस्ति

(1) मत्स्याः

(2) कूर्माः

(3) धीवराः

(4) जनाः

150. अस्मिन् अनुच्छेदे 'निरीक्ष्य' इति अर्थे किं पदं प्रयुक्तम्?

(1) अवलोक्य

(2) नीयमानम्

(3) अवलम्ब्य

(4) श्रुत्वा

SPACE FOR ROUGH WORK

अवधानपूर्वकम् एते निर्देशाः मनसि धारणीया—

1. प्रत्येकं प्रश्नार्थं चत्वारि वैकल्पिकोत्तराणि निर्दिष्टानि, तेषु समुचितोत्तरप्रदानार्थं OMR उत्तर-पुस्तिकायाः पृष्ठे-2 **केवलम् एकमेव वृत्तं पूर्णरूपेण नील/कृष्णवर्णिकया बाल-पाइन्ट-लेखन्याः** प्रपूरणीयम्। एकवारम् उत्तराङ्कनान्तरं न तत्परिवर्तयितुं शक्यते।

2. परीक्षार्थिभिः उत्तर-पत्रं नैव तिर्यक्करणीयम्, न च कथंकारमपि तद् अन्यथाप्रकारेण अङ्कनीयम्। परीक्षार्थी स्वीयानुक्रमाङ्कम् उत्तर-पत्रे निर्धारितस्थानातिरिक्तम् अन्यत्र कुत्रापि न लिखेत्।

3. परीक्षा-पुस्तिकायाः उत्तर-पत्रकस्य च प्रयोगः सावधानं करणीयः। कस्यामपि परिस्थितौ (केवलं तां परिस्थितिं विहाय यदा परीक्षा-पुस्तिकायाः उत्तर-पत्रस्य च सङ्केतके सङ्ख्यायां वा भिन्नता दृश्यते) द्वितीय-परीक्षा-पुस्तिका नोपलभ्या एव।

4. परीक्षा-पुस्तिकायाम् उत्तर-पत्रे च प्रदत्त-सङ्केतक-सङ्ख्या परीक्षार्थिभिः उपस्थितिपत्रके सम्यक्रीत्या अवश्यमेव लेखनीया।

5. प्रवेशपत्रं विहाय अन्य-मुद्रित-लिखित-पाठ्यसामग्री कर्गदचिटिकां 'पेजरम्' इति चलदूरभाषां, विद्युत्-उपकरणानि अथवा कामपि अन्यसामग्रीं परीक्षाभवनं कक्षं वा नेतुम् अनुमतिः न अस्ति।

6. निरीक्षणसमये परीक्षार्थिभिः प्रवेशपत्रं निरीक्षकाय अवश्यं दर्शनीयम्।

7. अधीक्षकस्य निरीक्षकस्य वा अनुमतिं विना परीक्षार्थिभिः स्थानं न परित्यक्तव्यम्।

8. कार्यरतनिरीक्षकाय उत्तर-पत्रं दत्त्वा उपस्थितिपत्रके च हस्ताक्षरं पुनः कृत्वा एव परीक्षार्थिभिः परीक्षाभवनं कक्षं वा परित्यक्तव्यं न अन्यथा। यदि केनापि परीक्षार्थिना उपस्थितिपत्रिकायां पुनः हस्ताक्षरं न क्रियते तर्हि 'परीक्षार्थिना उत्तर-पत्रकं न दत्तम्' इति अभिप्रायः। इदम् अनुचितसाधनानां प्रयोगस्य रूपम् इति मन्तव्यम्।

9. वैद्युत-हस्तचालित-परिकलकस्य उपयोगः सर्वथा वर्जितः।

10. परीक्षाभवने कक्षे वा अनुकूलाचरणाय परीक्षार्थिनः सङ्घटनस्य सर्वैः नियमैः विनियमैः वा नियमिताः। अनुचितसाधनानाम् उपयोगेन सम्बद्धाः निर्णयाः सङ्घटनस्य नियम-विनियम-अनुवर्तनीयाः एव।

11. कस्यामपि परिस्थितौ परीक्षा-पुस्तिकायाः उत्तर-पत्रकस्य वा कोऽपि भागः पृथक् न करणीयः।

12. **परीक्षासम्पन्नानन्तरं परीक्षार्थिनः परीक्षाभवन-परित्यजनात् पूर्वं उत्तर-पत्रं कक्षनिरीक्षकाय अवश्यमेव प्रदास्यन्ति। परीक्षार्थिनः इमाम् उत्तर-पुस्तिकां नेतुम् अनुमताः।**

READ THE FOLLOWING INSTRUCTIONS CAREFULLY :

1. Out of the four alternatives for each question, only one circle for the correct answer is to be darkened completely with Blue/Black Ballpoint Pen on **Side-2** of the OMR Answer Sheet. The answer once marked is not liable to be changed.
2. The candidates should ensure that the Answer Sheet is not folded. Do not make any stray marks on the Answer Sheet. Do not write your Roll No. anywhere else except in the specified space in the Answer Sheet.
3. Handle the Test Booklet and Answer Sheet with care, as under no circumstances (except for discrepancy in Test Booklet Code or Number and Answer Sheet Code or Number), another set will be provided.
4. The candidates will write the correct Test Booklet Code and Number as given in the Test Booklet/Answer Sheet in the Attendance Sheet.
5. Candidates are not allowed to carry any textual material, printed or written, bits of papers, pager, mobile phone, electronic device or any other material except the Admit Card inside the Examination Hall/Room.
6. Each candidate must show on demand his/her Admit Card to the Invigilator.
7. No candidate, without special permission of the Superintendent or Invigilator, should leave his/her seat.
8. The candidates should not leave the Examination Hall without handing over their Answer Sheet to the Invigilator on duty and sign the Attendance Sheet twice. Cases where a candidate has not signed the Attendance Sheet, a second time will be deemed not to have handed over the Answer Sheet and dealt with as an unfair means case.
9. Use of Electronic/Manual Calculator is prohibited.
10. The candidates are governed by all Rules and Regulations of the Board with regard to their conduct in the Examination Hall. All cases of unfair means will be dealt with as per Rules and Regulations of the Board.
11. No part of the Test Booklet and Answer Sheet shall be detached under any circumstances.
12. **On completion of the test, the candidate must hand over the Answer Sheet to the Invigilator in the Room/Hall. *The candidates are allowed to take away this Test Booklet with them.***

निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें :

1. प्रत्येक प्रश्न के लिए दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर के लिए OMR उत्तर-पत्र के **पृष्ठ-2** पर केवल एक वृत्त को ही पूरी तरह नीले/काले बॉलपॉइंट पेन से भरें। एक बार उत्तर अंकित करने के बाद उसे बदला नहीं जा सकता है।
2. परीक्षार्थी सुनिश्चित करें कि इस उत्तर-पत्र को मोड़ा न जाए एवं उस पर कोई अन्य निशान न लगाएँ। परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक उत्तर-पत्र में निर्धारित स्थान के अतिरिक्त अन्यत्र न लिखें।
3. परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर-पत्र का ध्यानपूर्वक प्रयोग करें, क्योंकि किसी भी परिस्थिति में (केवल परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर-पत्र के संकेत या संख्या में भिन्नता की स्थिति को छोड़कर) दूसरी परीक्षा पुस्तिका उपलब्ध नहीं करायी जाएगी।
4. परीक्षा पुस्तिका/उत्तर-पत्र में दिए गए परीक्षा पुस्तिका संकेत व संख्या को परीक्षार्थी सही तरीके से हाजिरी-पत्र में लिखें।
5. परीक्षार्थी द्वारा परीक्षा हॉल/कक्ष में प्रवेश-कार्ड के सिवाय किसी प्रकार की पाठ्य-सामग्री, मुद्रित या हस्तलिखित, कागज की पर्चियाँ, पेजर, मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या किसी अन्य प्रकार की सामग्री को ले जाने या उपयोग करने की अनुमति नहीं है।
6. पूछे जाने पर प्रत्येक परीक्षार्थी, निरीक्षक को अपना प्रवेश-कार्ड दिखाएँ।
7. अधीक्षक या निरीक्षक की विशेष अनुमति के बिना कोई परीक्षार्थी अपना स्थान न छोड़ें।
8. कार्यरत निरीक्षक को अपना उत्तर-पत्र दिए बिना एवं हाजिरी-पत्र पर दुबारा हस्ताक्षर किए बिना परीक्षार्थी परीक्षा हॉल नहीं छोड़ेंगे। यदि किसी परीक्षार्थी ने दूसरी बार हाजिरी-पत्र पर हस्ताक्षर नहीं किए, तो यह माना जाएगा कि उसने उत्तर-पत्र नहीं लौटाया है और यह अनुचित साधन का मामला माना जाएगा।
9. इलेक्ट्रॉनिक/हस्तचालित परिकलक का उपयोग वर्जित है।
10. परीक्षा हॉल में आचरण के लिए परीक्षार्थी बोर्ड के सभी नियमों एवं विनियमों द्वारा नियमित हैं। अनुचित साधनों के सभी मामलों का फैसला बोर्ड के नियमों एवं विनियमों के अनुसार होगा।
11. किसी हालत में परीक्षा पुस्तिका और उत्तर-पत्र का कोई भाग अलग न करें।
12. **परीक्षा सम्पन्न होने पर, परीक्षार्थी कक्ष/हॉल छोड़ने से पूर्व उत्तर-पत्र निरीक्षक को अवश्य सौंप दें। *परीक्षार्थी अपने साथ इस परीक्षा पुस्तिका को ले जा सकते हैं।***